आवश्यकताओं की पूर्ति होनी चाहिए, क्या आप कोई ऐसा मैकेनिज्म तैयार करेंगे जो स्थानों के चयन की प्रक्रिया में काम आ सके और वह जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप हो?

श्री राम नाईक: सभापति जी, यह बात तो सही है। यह ध्यान में रखना चाहिए कि कोई व्यापार धंधा करता है तो कामर्शियल कंसीडरेशन उसमें होगा ही। लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि हमने पिछले चार वर्षों में 3 करोड़ 29 लाख नये एलपीजी के कनेक्शन दिये हैं। देश में इस समय 5 करोड़ 10 लाख लोगों के पास डोमस्टिक कनेक्शन्स हैं। हम इनको बढ़ा रहे हैं। ये ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहे हैं। एजेंसी चलाने के लिए जो उचित स्थान हैं, वहां पर हम ले जायेंगे।

श्री रमा शंकर कौशिक: सभापति महोदय, मेरा यह प्रश्न नहीं था, मेरा प्रश्न था कि जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए कोई ऐसा मैकेनिज्म बनायें जो केवल कम्पनियों के ऊपर न छोड़ा जाये, बल्कि जनता की किसी संस्था के ऊपर जैसे–जिला पंचायत, क्षेत्रीय पंचायत, ग्राम पंचायत, तहसील हैड क्वार्टर्स हैं, इनके ऊपर छोड़ा जाये?

श्री सभापति: ठीक है।

श्री राम नाईक: सभापति महोदय, जितने भी इस प्रकार के सुझाव आते हैं, उनका ख्याल करके ही तय किया जाता है। मोटे तौर पर देश में जो ब्लाक लेवल पर स्थान हैं, हर ब्लॉक लेवल के स्थान या जहां दस हजार से ज्यादा की आबादी है, ऐसे स्थान पर एलपीजी की डिस्ट्रीब्युटरशिप बनाने का एक नीतिगत निर्णय हम लोगों ने किया है।

श्री गांधी आजाद: सभापति महोदय, जो गैस एजेंसियां उत्तर प्रदेश में है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लोगों की कितनी गैस एजेंसियां हैं और उनको क्या सुविधाएं दी गई हैं।

श्री राम नाईक: सभापति जी, मोटे तौर पर रिजर्वेशन 25 प्रतिशत सभी जगह पर है, उत्तर प्रदेश में भी है। जहां तक सुविधा का सवाल है, वह खड़ी करने के लिए जितनी भी पूंजी लगती है, वह सारी पूंजी तेल कम्पनियां अपनी ओर से देती हैं। जो सलेक्टिड व्यक्ति होता है उसको अपनी ओर कोई खर्चा नहीं करना होता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एल.पी.जी. का मूल्य

*227. **श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'':†**

श्री कपिल सिब्बल:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वित्तीय वर्ष 2002-03 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एल.पी.जी. के मूल्यों में उतार-चढ़ाव हुआ है; और

† The question was actually asked on the floor of the house by Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'.

(ख) यदि हां, तो एल.पी.जी. के अधिकतम और न्यूनतम मूल्य क्या थे और साथ में उपर्युक्त वर्ष के प्रत्येक माह के दौरान एल.पी.जी. की आयात की गई मात्रा कितनी थी?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक): (क) और (ख) सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

LPG price in international market

†*227. SHRI RAJIV RANJAN SINGH 'LALAN':
SHRI KAPIL SIBAL:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been fluctuations in the price of LPG in international market during the financial year 2002-03; and

(b) if so, the maximum and minimum price of LPG and the quantity of LPG imported during each month of the above year?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) During the year 2002-03, the average monthly international price of LPG ranged between US $197/Metric Tonne (MT) and US $ 370/MT. The details of movement in the international price and import of LPG are as follows:

Month	Price (US $/MT)	Import (in TMT*)
April, 2002	197	19
May, 2002	218	21
June, 2002	219	15
July, 2002	219	11
August, 2002	229	32
September, 2002	257	31

†Original notice of the question was received in Hindi.

Month	Price (US $/MT)	Import (in TMT*)
October, 2002	295	106
November, 2002	327	130
December, 2002	327	134
January, 2003	338	184
February, 2003	369	191
March, 2003	370	199

(*TMT—Thousand Metric Tonne)

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि अप्रैल, 2002 में जो एलपीजी का आयात हुआ है वह 19 थाउजेंड मीट्रिक टन हुआ है और ठीक एक साल के बाद मार्च, 2003 में इसका आयात बढ़कर हो गया एक हजार गुणा, 199 थाउजेंड मीट्रिक टन, जबकि उस रेश्यों में इस देश में एलपीजी की खपत नहीं बढ़ी है। जब हमने अप्रैल, 2002 में 19 थाउजेंड मीट्रिक टन आयात किया था तो इसकी कीमत 197 यू.एस. डालर पर मीट्रिक टन थी और मार्च, 2003 में 370 यू.स. डालर पर मीट्रिक टन के आधार पर एक हजार गुणा आयात बढ़ा दिया। मैं माननीय मंत्री जी से इसका औचित्य जानना चाहता हूं कि यह जो एक हजार गुणा आयात बढ़ा इसका क्या औचित्य है?

श्री राम नाईक: सभापति महोदय, जैसे ही अमेरिका और इराक की आपस में लड़ाई की बात आई तो यह सोचा गया कि इसकी सप्लाई इंटरेप्ट हो सकती है। पहले पांच दिन का स्टाक रखते थे लेकिन इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने 15 दिन का स्टाक रखने का निर्णय किया और उसके कारण आयात ज्यादा बढ़ाना पड़ा।

दूसरी बात यह है कि रिलायंस कम्पनी का प्रोडक्शन 36 डेज़ के लिए बंद हुआ था। लोगों को एलपीजी मिलनी चाहिए इसलिए आयात बढ़ाया गया। ये इसके दो मुख्य कारण हैं। इसके साथ ही साथ ग्राहकों की संख्या भी बढ़ी है इसलिए आयात ज्यादा हुआ है।

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा है कि अमेरिका और इराक के युद्ध के कारण आयात बढ़ाना पड़ा इसके आयात का जो रेश्यों बढ़ना शुरू हुआ है, यह अक्तूबर, 2002 से ही बढ़ना शुरू हुआ है। यह कहना कि क्रूड आयल का प्रोडक्शन की हुआ है, यह गलत है। इसलिए कि हमारा जो क्रुड आयल का प्रोडक्शन है उसके बारे में सरकार ने अतारांकित प्रश्न संख्या 4743 दिनांक 6.5.2003 को इसी सदन में स्वीकार किया है। सरकार ने उत्तर में यह स्वीकार किया है कि क्रूड आयाल का अप्रैल में 6211 हजार मीट्रिक टन और मार्च, 2003 में 7042 हजार मीट्रिक टन इम्पोर्ट हुआ। इसका अर्थ यह हुआ है कि जो हमारा क्रूड ऑयल का प्रोडक्शन था, उसमें कोई कमी नहीं आयी। इसलिए हम यह जानना चाहते हैं कि इसका जो औचित्य है, उस पर माननीय मंत्री जी प्रकाश डालें।

श्री राम नाईक: सभापति जी, औचित्य तो यह है कि अचानक युद्ध के कारण हिन्दुस्तान में सप्लाई आनी बंद हो जाती है, क्रूड ऑयल की भी बंद हो जाती है जिससे एलपीजी के संबंध में समस्या पैदा हो सकती है। चूंकि यह ग्राहकों के लिए अति आवश्यक होती है इसलिए हमने सोचा कि ग्राहकों को सुरक्षा देनी चाहिए। इसी वजह से ज्यादा इम्पोर्ट किया गया।

प्रो॰ रामगोपाल यादव: महोदय, जो जवाब माननीय मंत्री जी ने दिया है, उसे अगर आप देखें तो आप पाएंगे कि जब कीमत सबसे ज्यादा कम है तब सबसे कम इम्पोर्ट किया गया है और सबसे ज्यादा कीमत है तो इम्पोर्ट सबसे ज्यादा है। इम्पोर्ट में और कीमत की बढ़ोतरी में डायरैक्ट preportion है। इससे स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में संदेह पैदा होता है कि जब कीमत ज्यादा होती है तो ज्यादा चीज़ क्यों मंगाई जा रही है? वैसे ही हिन्दुस्तान में लोग जो कर रहे हैं, उससे इनकी नीयत पर संदेह होता है। 197 और 370 का जो अंतर है, इसमें कितना फर्क है? जो तेल आपने 370 की कीमत पर मंगाया है, अगर यही तेल आपने 197 की कीमत पर मंगाया होता तो कितना फर्क होता, आपको कितना ऐक्सचैकर पर लोड कम होता, यह बताएं।

श्री राम नाईक: महोदय, अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में जो दाम बढ़ते है, वे अपने हाथ में नहीं होते।

प्रो॰ रामगोपाल यादव: वह तो आपके हाथ में नहीं होते लेकिन तेल मंगाना तो आपके हाथ में होता है। जब तेल की कीमत कम है तो कम मंगा रहे हैं और ज्यादा कीमत है तो ज्यादा मंगा रहे हैं, ऐसा क्यों है?

श्री राम नाईक: महोदय, तेल, मिट्टी का तेल या एलपीजी यदि देश में आवश्यकता के अनुसार नहीं है तो देश में तकलीफ हो सकती है। इस बात को लेकर देश की जनता को परेशान न होना पड़े, इसी वजह से तेल मंगाया गया।

प्रो॰ रामगोपाल यादव: यह धंधा बिल्कुल ससपीशियस लगता है ...(व्यवधान)...

श्री रमा शंकर कौशिक: इससे इनका टैक्स बढ़ जाता है। जितनी कीमत ज्यादा होती है, उतना ही टैक्स बढ़ जाता है। ...(व्यवधान)...

*228. *[The questioner (Shri Ekanath K. Thakur) was absent. For answer vide page 34.]*

Demand from Gujarat regarding gas price

*229. DR. A.K. PATEL:††
SHRI BACHANI LEKHRAJ:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

---

††The question was actually asked on the floor of the House by Dr. A.K. Patel.